जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन, जयपुर द्वारा आयोजित किए जा रहे "जीतो कनेक्ट 2023" के समापन सत्र में माननीय अध्यक्ष का भाषण

———

विशिष्ट अतिथिगण;

देवियो और सज्जनो !

आज जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन, जयपुर द्वारा आयोजित किए जा रहे जीतो कनेक्ट 2023 के समापन समारोह में आप सब के बीच आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। सबसे पहले मैं जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन के पदाधिकारियों को मुझे इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में आमंत्रित करने और विश्व भर के आकांक्षी और उद्यमशील युवाओं से बातचीत करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

यह बात दोहराने की ज़रूरत नहीं है कि जैन समुदाय ने शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, उद्यमिता, आदि हर क्षेत्र में हमारे देश के विकास और प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जैन समुदाय की आबादी का प्रतिशत हमारे देश की कुल आबादी का एक प्रतिशत से भी कम है परंतु हमारी अर्थव्यवस्था में उनका काफी बड़ा योगदान है। यह समुदाय समाज के उच्च शिक्षित वर्गों में से भी है। जैन समुदाय धन अर्जित ही नहीं करता है, समाज के कल्याण हेतु इसका सदुपयोग भी करता है। जैन समुदाय के युवा अपने व्यापार कौशल और उद्यमिता के लिए जाने जाते हैं और नए, उदयमान भारत को परिलक्षित करते हैं।

''जीतो कनेक्ट 2023'' देश के सबसे बड़े व्यापार मेलों में से एक है जिसका उत्सुकता से इंतज़ार किया जाता है। यहाँ विश्वभर के विभिन्न क्षेत्रों से व्यापारी, युवा उद्यमी, महिला उद्यमी और महत्वाकांक्षी युवा जुटते हैं।

इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मेले में तकनीकी रूप से सक्षम उद्यमियों को नवोन्मेषी विचार साझा करने का एक मंच तो मिलता ही है, साथ ही संधारणीय व्यापार और कारोबारी पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए श्रेष्ठ तरीकों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने का अवसर भी प्राप्त होता है। व्यापार और

उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत करने और उनसे सीखने का दुर्लभ अवसर उपलब्ध कराकर यह सम्मेलन हमारे युवाओं और उनकी महत्वाकांक्षाओं को पंख दे रहा है।

मेरा मानना है कि जीतो कनेक्ट 2023 में आप जो अनुभव हासिल करेंगे उससे आप एक फ्यूचरिस्टिक, रेसिलिएंट और सस्टेनेबल विश्व बनाने में योगदान दे पाएंगे

भारत में तेज़ी से परिवर्तन आने वाले हैं और देश अपने लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने की दिशा में प्रयासरत है। भारत सरकार कारोबार करने के लिए अनुकूल परिवेश उपलब्ध कराकर देश के हर भाग में व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देने के हर संभव प्रयास कर रही है।

भारत सरकार ने व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएँ/पहलें शुरू की हैं, जिनमें मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया,स्टैंड अप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, एमएसएमई के लिए 59 मिनट में ऋण योजना, ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस, राष्ट्रीय सिंगल विंडो सिस्टम, प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) और उत्पादन सह प्रोत्साहन योजना आदि कुछ प्रमुख योजनाएँ हैं।

इसके साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंचे ताकि हमारा देश समावेशी और सतत विकास के मार्ग पर अग्रसर हो सके। इन कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार न केवल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रही है बल्कि सतत विकास पर भी बल दे रही है क्योंकि सरकार पर्यावरण और उससे जुड़ी चुनौतियों के प्रति पूरी तरह से सतर्क है।
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील देश के रूप में भारत सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने और पर्यावरण के अनुकूल विनिर्माण और व्यापार पद्धतियों को अपनाते हुए कई पहल की हैं।

एक श्रेष्ठ स्टार्ट-अप व्यवस्था के साथ आज भारत नवीन पहलों और उद्यमिता के एक केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुझे आपको यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि आज भारत यूनिकॉर्न के मामले में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप केंद्र बन गया है।
यह सब आप जैसे युवाओं की नवीन पहलों, उद्यमशील दृष्टिकोण और जोखिम लेने की क्षमता और सरकार के समुचित समर्थन के कारण ही संभव हो सका है। तेजी से आर्थिक विकास करने और समाज में सार्थक परिवर्तन लाने में स्टार्ट-अप्स के महत्व को स्वीकार करते हुए, भारत सरकार ने देश में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रमों और योजनाओं की शुरुआत की है।

भारत की जीवंत कॉर्पोरेट और औद्योगिक संस्कृति अपनी अनुकूलनशीलता, परिवर्तनशीलता के साथ मजबूती और आर्थिक सफलता के प्रति समर्पण का प्रमाण है। विकसित होती स्टार्टअप संस्कृति, कुशल कार्यबल और निवेशकों के लिये अनुकूल परिवेश के बल पर आज भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी एक विशेष पहचान बना ली है। हमारे सामूहिक प्रयासों से भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और मुझे विश्वास है कि शीघ्र ही भारत 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा।

यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि सभी नागरिक प्रगतिशील और उदयमान भारत की यात्रा के भागीदार बनें। हमें 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के अपने संकल्प पर काम शुरू करने की जरूरत है।

हम सभी जानते हैं कि भारत ने अमृत काल में प्रवेश कर लिया है, ऐसे में हमारे देश के युवाओं पर भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की भारी जिम्मेदारी है।

आप सभी को *वोकल फॉर लोकल* पर फोकस करते हुए ब्रांड इंडिया को बढ़ावा देना है और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखनी है ।

यह कहने की जरूरत नहीं है कि हमारे देश के युवा हमारी प्रगति और विकास की प्रमुख प्रेरक शक्ति हैं। युवा किसी भी देश के लिए सबसे बहुमूल्य संपत्ति होते हैं। देश के युवाओं के उत्साहपूर्ण तालमेल, रेजिलिएन्स और उनमें मौजूद क्षमता को पहचानते हुए केंद्र सरकार उनके समग्र विकास की दिशा में तेजी से प्रयास कर रही है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर भारत को विश्व स्तर पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरना है, तो इसके लिए देश के युवाओं का योगदान अत्यंत आवश्यक है।

भारत सरकार सभी क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण पर भी ध्यान दे रही है, क्योंकि जेंडर *इक्वेलिटी* भारत की समृद्धि का आधार है।

महिलाएं न केवल बिजनेस जगत में अपितु विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे अन्य क्षेत्रों में भी प्रमुख पदों की ज़िम्मेदारी संभाल रही हैं। हाल में इसरो के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल की सफल लैंडिंग से यह स्पष्ट है, क्योंकि इसकी सफलता में कई महिला वैज्ञानिकों ने योगदान दिया है।

भारत में हम केवल महिला सशक्तिकरण पर ही बल नहीं दे रहे हैं, अपितु अब हम हर ओर महिलाओं के नेतृत्व में हो रहे विकास को देख रहे हैं।

महिला उद्यमिता मंच, महिलाओं के लिए मुद्रा योजना, महिला उद्यमी योजना, महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम के लिए सहायता जैसी सरकार की विशिष्ट पहलें देश में महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

आप सभी को मालूम होगा कि हाल ही में एक ऐतिहासिक अवसर पर भारत की संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया, जिसमें लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। मुझे विश्वास है कि यह ऐतिहासिक निर्णय हमारे देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा और समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अगर भारत को विकास करना है, तो हमें अनिवार्य रूप से नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाने तथा व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग जैसी नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर जोर दे रही है।

"एआई फॉर ऑल" भारत की राष्ट्रीय रणनीति के केंद्र में है, क्योंकि हमारा इस बात में दृढ़ विश्वास है कि एआई का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग एक रेजिलिएंट और बेहतर कल की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग से हमें हमारी वर्तमान की चुनौतियों जैसे सतत विकास, असमान विकास और विकास के परिणामस्वपरूप उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए समुचित कदम उठाने में काफी सहायता मिलेगी । उदाहरण के लिए, उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित चौथी औद्योगिक क्रांति हमारे 169 सतत विकास लक्ष्यों में से 70% लक्ष्यों को प्राप्त करने की क्षमता रखती है।

एक समावेशी और समतामूलक समाज के निर्माण के लिए भारत की संसद सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुझे विश्वास है कि सतत व्यापार और व्यवसायिक प्रथाएं ही गरीबी उन्मूलन और समावेशी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

यहां मौजूद युवा व्यवसायी, उद्योगपति और पेशेवर हमारे देश का भविष्य हैं और आने वाले समय में यही लोग देश के विकास का नेतृत्व करेंगे।

भारत के महान यूथ आइकन स्वामी विवेकानंद ने कहा था "*आप हमेशा अपने लक्ष्यों को बहुत ऊंचा रखें, तभी आप शीर्ष लक्ष्यों को प्राप्त कर पाएंगे।*"

उनके द्वारा कही गई बात बहुत स्पष्ट और प्रभावी है। उन्होंने युवाओं की जीवंत ऊर्जा और उनकी अनवरत क्षमता का उपयोग समाज के विकास के लिए समर्पित करने का आह्वान किया था।

इन सिद्धांतों को हमारे युवाओं द्वारा आत्मसात किया जाना चाहिए, जिससे वे आम जनता के सशक्तिकरण में अपना योगदान दे सकें।

अपनी बात समाप्त करने से पहले, मैं पुन: जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम 'जेआईटीओ कनेक्ट 2023' के शानदार आयोजन पर बधाई देता हूं और उनकी सराहना करता हूँ। मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूँ और आपके भावी जीवन की सफलता की कामना करता हूं।

.....